मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आगाज

लोकजीवन न्यूज सर्विस, चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान से हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं 'मैं नहीं बल्कि आप'। स्वागत भाषण देते हुए प्रति-कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प कर अपनी

क्षमता को साबित किया है। अब यह वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में पिडीलाइट वर्कशॉप हुई। जिसमे लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं एनएसएस बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, कुलसचिव डॉ0 आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 वाई. सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी, तन्मय

व्यास, ओपी गुर्जर, सुरभि शर्मा सहित सभी अध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

दैनिक लोकजीवन
भीलवाड़ा 06 जनवरी 2023, शुक्रवार

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आगाज

■ दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान से हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं ÷मैं नहीं बल्कि आप÷। स्वागत भाषण देते हुए प्रति-कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प कर अपनी क्षमता को साबित किया है। अब यह वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय

का नाम रोशन करें। ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में पिडीलाइट वर्कशॉप हुई। जिसमे लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं एनएसएस बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, कुलसचिव डॉ0 आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 वाई. सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी, तन्मय व्यास, ओपी गुर्जर, सुरभि शर्मा सहित सभी अध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

योग एवं प्रभात फेरी के साथ एनएसएस शिविर प्रारंभ

चित्तौड़गढ़, 5 जनवरी (नसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान चला कर की गई।

शिविर के दौरान अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताते कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं। स्वागत भाषण देते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प का आयोजन कर अपनी क्षमता को साबित किया है, अब वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में आयोजित पिडीलाइट वर्कशॉप में लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना, कुल गीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत एनएसएस के बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डीके शर्मा, कुलसचिव डॉ. आर राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो. वाई सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी आदि मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आगाज

■ दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान से हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं ÷मैं नहीं बल्कि आप÷। स्वागत भाषण देते हुए प्रति-कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प कर अपनी क्षमता को साबित किया है। अब यह वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय

का नाम रोशन करें। ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में पिडीलाइट वर्कशॉप हुई। जिसमे लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं एनएसएस बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, कुलसचिव डॉ0 आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 वाई. सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी, तन्मय व्यास, ओपी गुर्जर, सुरभि शर्मा सहित सभी अध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आगाज

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान से हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित है "मैं नहीं बल्कि आप"। स्वागत भाषण देते हुए प्रति-कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प कर अपनी क्षमता को साबित किया है। अब यह वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में पिडीलाइट वर्कशॉप हुई। जिसमे लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं एनएसएस बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, कुलसचिव डॉ0 आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 वाई. सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी, तन्मय व्यास, ओपी गुर्जर, सुरभि शर्मा सहित सभी अध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आगाज

टू इंडिया न्यूज

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान से हुई।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं मैं नहीं बल्कि आप। स्वागत भाषण देते हुए प्रति-कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प कर अपनी क्षमता को साबित किया है। अब यह वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में पिडीलाइट वर्कशॉप हुई। जिसमे लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं एनएसएस बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, कुलसचिव डॉ0 आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 वाई. सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी, तन्मय व्यास, ओपी गुर्जर, सुरभि शर्मा सहित सभी अध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, मालिक, प्रकाशक, सम्पादक एंव मुद्र

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आगाज

चित्तौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान से हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं मैं नहीं बल्कि आप । स्वागत भाषण देते हुए प्रति-कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प कर अपनी क्षमता को साबित किया है। अब यह वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में पिडीलाइट वर्कशॉप हुई। जिसमे लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं एनएसएस बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, कुलसचिव डॉ0 आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 वाई. सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी, तन्मय व्यास, ओपी गुर्जर, सुरभि शर्मा सहित सभी अध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस स्पेशल कैम्प 05 जनवरी से

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़। राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा और खेल मन्त्रालय की एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है। इसी के अन्तर्गत मेवाड़ विश्वविद्यालय में 05 जनवरी से 11 जनवरी से सात दिवसीय एनएसएस स्पेशल कैम्प प्रारम्भ हो रहा हैं। कैम्प की शुरूआत प्रतिदिन प्रातः योग, प्रभात फेरी, सफाई अभियान और श्रमदान के साथ होगी। कार्यक्रम में एनएसएस कैम्प के उद्देश्य, योगदान, महत्व व प्रतिदिन की गतिविधियों की जानकारी दी जायेगी। कार्यक्रम का अन्त विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से होगा। कैम्प में अभी तक 80 विद्यार्थी पंजीकरण करवा चुके है। प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने कार्यक्रम के तैयारियों की समीक्षा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा करेंगे।

सच मीडिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आगाज

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्पेशल सात दिवसीय एनएसएस कैंप के पहले दिन की शुरुआत योग, प्रभात फेरी और सफाई अभियान से हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कैंप की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। इसकी वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं मैं नहीं बल्कि आप। स्वागत भाषण देते हुए प्रति-कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष राष्ट्रीय कैम्प कर अपनी क्षमता को साबित किया है। अब यह वक्त आ गया है कि एनएसएस वालंटियर्स अपने प्रदर्शन से पूरे भारत में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। ललित कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा की देखरेख में पिडीलाइट वर्कशॉप हुई। जिसमे लीला जोशी ने प्रतिभागियों को कला के कुछ गुण सिखाए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना, कुलगीत, एनएसएस गान से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं एनएसएस बैज से किया गया। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और अबूजर तारीक ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, कुलसचिव डॉ. आर. राजा, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 वाई. सुदर्शन, कैंप समन्वयक शिवकुमार, सुप्रिया चौधरी, अंजलि तिवारी, तन्मय व्यास, ओपी गुर्जर, सुरभि शर्मा सहित सभी अध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।